



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ५७६]
No. ५७६)

नई दिल्ली, मंगलवार, विसम्बर २३, १९८०/पौष २, १९०२
NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 23, 1980/PAUSA 2, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

आणिंद्रिय मंत्रालय

(आणिंद्रिय विभाग)

प्रावेश

नई दिल्ली, २३ विसम्बर, १९८०

चाय भाण्डागार (अनुज्ञापन) प्रावेश, १९८०

का० आ० ९८३ (अ) :—केन्द्रीय मंत्रालय, चाय अधिनियम, १९५३ (१९५३ का २९) की धारा ३० की उपधारा (३) और (५) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित प्रावेश करता है, अर्थात् :—

१. संक्षिप्त नाम प्रारम्भ : (१) इस प्रावेश का संक्षिप्त नाम चाय भाण्डागार (अनुज्ञापन) प्रावेश, १९८० है:

(२) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रबृत्त होगा।

२. परिभाषाएँ : (१) इस प्रावेश में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, —

(क) "अधिनियम" से चाय अधिनियम, १९५३ (१९५३ का २९) अनुज्ञापन है;

(ख) "प्रबृत्त" से चाय बोर्ड का अध्यक्ष अनुज्ञित है और इसके अन्वयन, तन्मय अध्यक्ष की शक्तियों का प्रयोग करने वाला कोई अधिकारी भी है;

(ग) "प्रस्तुति" से इस प्रावेश से संलग्न कोई प्ररूप अनुज्ञित है;

(घ) "अनुज्ञापन" से इस प्रावेश के अधीन दी गई अनुज्ञापन अनुज्ञित है;

(ङ) "अनुज्ञापितारी" से अनुज्ञापित का धारक अनुज्ञित है;

(च) "अनुज्ञापन प्राधिकारी" से अध्यक्ष या उपाध्यक्ष या इस बाबत केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रकार प्राधिकृत किया गया चाय बोर्ड का कोई अन्य प्रधिकारी अनुज्ञित है;

(छ) "चाय बोर्ड" से अधिनियम की धारा ४ के अधीन स्थापित चाय बोर्ड अनुज्ञित है;

(ज) "भाण्डागार" से ऐसा उक्त हुआ शैड या गोदाम अनुज्ञित है, जिसके फर्श का क्षेत्रफल ५००० वर्गफीट से कम माप का न हो। और जिसमें चाय का भण्डाकरण अथवा सम्मिश्रण किया जाता हो या चाय को पैक किया जाता हो;

(झ) "भाण्डागार स्वामी" से ऐसा व्यक्ति अनुज्ञित है जो किसी भाण्डागार का स्वामी है या जो किसी भाण्डागार को पट्टे पर लेकर चाय के भण्डाकरण, सम्मिश्रण या पैक करने सम्बन्धी नियाकालाप करता है।

(२) उन शब्दों और पदों के, जो इस प्रावेश में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु चाय अधिनियम, १९५३ (१९५३ का २९) में परिभाषित हैं, उनका अर्थ होगे जो उनके उस अधिनियम में हैं।

(3) भाण्डागार-स्थानियों का अनुज्ञापन प्रभिप्राप्त करना:—कोई भी भाण्डागार स्थानी, अनुज्ञापित के अधीन और इस आवेदन के उपबन्धों के अनुसार के सिवाय, चाय के भण्डारकरण सम्मिश्रण या पैक करने सम्बन्धी किया कलापों को नहीं करेगा:

परन्तु लक्ष्यमय प्रबूत किसी विधि के प्राधिकार के अधीन स्थापित किसी प्रत्यक्ष न्यास प्राधिकरण को किसी अनुज्ञापित को आवश्यकता नहीं होगी।

4. अनुज्ञापित के लिए आवेदन:—अनुज्ञापित प्राप्त करने का प्रत्येक इच्छुक व्यक्ति प्राप्त 'क' में अनुज्ञापन प्राधिकारी को दो प्रतियों में आवेदन करेगा।

5. अनुज्ञापित की मंजूरी या इच्छार—(1) अनुज्ञापन प्राधिकारी, ऐसे कारणों से, जो अधिविष्टित किए जाएंगे, किसी आवेदक को कोई अनुज्ञापित मंजूर करने से इच्छार कर सकेगा और उसे इस प्रकार पारित आवेदन की एक प्रति देगा।

(2) यहाँ अनुज्ञापित के लिए कोई आवेदन उपलब्ध (1) नामंजूर नहीं किया जाता है, वहाँ अनुज्ञापन प्राधिकारी आवेदक को प्राप्त 'क' में अनुज्ञापित मंजूर करेगा।

6. अनुज्ञापित की विधिमान्यता की अवधि:—(1) इस आदेश के अधीन जारी अनुज्ञापित जब तक कि पहले से ही रह या निलंबित न कर दी गई हो, उस वर्ष के जिसमें यह जारी की जाती है, 31 दिसंबर तक विधिमान्य रहेगे और एक समय में एक वर्ष के लिए नवीकृत की जा सकेगी।

(2) अनुज्ञापित के नवीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन के माध्य वह अनुज्ञापित लगी होगी, जिसका नवीकरण चाहा गया है और वह आवेदन उस अनुज्ञापित के, जिसका नवीकरण चाहा गया है, अवसान की तारीख से कम से कम सीम दिन पूर्व किया जाएगा।

7. अनुज्ञापित फीस:—अनुज्ञापित की मंजूरी या नवीकरण के लिए संबंधी फीस रुपय ३० और रुपय ५० होगी।

8. अनुज्ञापित की दूसरी प्रति:—यदि अनुज्ञापन प्राधिकारों का समाधान हो जाता है कि इस आदेश के अधीन जारी की गई अनुज्ञापित विस्तृप्त हो गई है, खो गई है, नष्ट हो गई है या अन्यथा बेकार हो गई है तो अनुज्ञापन प्राधिकारों, इस निमित्त किए गए आवेदन पर और वस राम की फीस का संवाद किए जाने पर अनुज्ञापित को दूसरी प्रति जारी कर सकेगा।

9. अनुज्ञापित की शर्तें:—(1) प्रत्येक अनुज्ञापित को अनुज्ञापित प्राधिकारी के नाम में वैभविक रूप से मंजूर या नवीकृत किया गया रामज्ञा जाएगा और यह अन्तर्णिय नहीं होगी।

(2) यहाँ कोई अनुज्ञापितधारी अपने कारबार का किसी अन्य व्यक्ति को विभय या अन्यथा अन्तरण करता है, वह इस तथ्य को रिपोर्ट अनुज्ञापन प्राधिकारी को ऐसी भागीदारी करने के तास दिन के भोक्तुर देगा और अनुज्ञापित को यथोचित रूप से संशोधित करा और लेगा तबुपरि भागीदार और अनुज्ञापित का मूल धारक दोनों यथासंशोधित अनुज्ञापित की शर्तों द्वारा आवश्य होंगे।

(3) यदि कोई अनुज्ञापितधारी अनुज्ञापित के अन्तर्गत आने वाले कारबार के बारे में भागीदारी करता तो है, वह इस तथ्य को रिपोर्ट अनुज्ञापन प्राधिकारी को ऐसी भागीदारी करने के तास दिन के भोक्तुर देगा और अनुज्ञापित को यथोचित रूप से संशोधित करा और लेगा तबुपरि भागीदार और अनुज्ञापित का मूल धारक दोनों यथासंशोधित अनुज्ञापित की शर्तों द्वारा आवश्य होंगे।

(4) यदि भागीदारी विषट्टि कर दी जाती है जो प्रत्येक ऐसा व्यक्ति, जो ऐसे विषट्टि के ठीक पूर्व भागीदार था, उसके तास दिन के भीतर अनुज्ञापन प्राधिकारी को विषट्टि भेजेगा।

(5) प्रत्येक अनुज्ञापितधारी चाय बोर्ड के किसी पदधारी द्वारा जिसे इस निमित्त अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा सम्बन्धित प्राधिकृत किया गया हो, मांग किए जाने पर निरीक्षण के लिए अपनी अनुज्ञापित प्रस्तुत करेगा।

(6) यहाँ कोई अनुज्ञापितधारी अपना कारबार बंद करना चाहता है वहाँ वह इस निमित्त अपने आवश्यकीय की सूचना प्रस्तावित बंद करने के कम से कम एक मास पूर्व, अनुज्ञापन प्राधिकारी को देगा।

(7) अनुज्ञापन प्राधिकारी चाय उद्योग से परामर्श करके चाय के उत्पादन, भण्डारकरण, सम्मिश्रण, पैकेज बनाने के लिए मान अधिकारियों कर सकेगा।

(8) अनुज्ञापन प्राधिकारी अनुज्ञापित मंजूर करने के पूर्व अपना यह समाधान करेगा कि जिस व्यक्ति के लिए अनुज्ञापित मंजूर की जानी है—

(क) उस के पास चाय का समुचित सम्मिश्रण करने, उसके पैकेज बनाने, उसे भण्डार में रखने का मुनिकित करने के लिए प्रध्यवेषित सुविधाएँ हैं।

(ख) वह चाय उद्योग के लिए हानिकर रीति में कारबार नहीं करेगा।

(9) प्रत्येक अनुज्ञापितधारी भांडागारों में लगाए गए व्यक्तियों द्वारा चाय के हथालन के संबंध में अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर विए गए निवेशों का पालन करेगा।

(10) अनुज्ञापित का निलम्बन या रद्द करण:—(1) अनुज्ञापन प्राधिकारी अनुज्ञापित धारक को मुनवाई का अवसर देने के पश्चात् इस आधार पर अनुज्ञापित को रद्द या निलम्बित कर सकेगा कि इस आदेश के किन्ती उपबन्धों या इस अनुज्ञापित की किन्हीं शर्तों का उल्लंघन हुआ है।

(2) अनुज्ञापित को निलम्बित या रद्द करने वाला प्रत्येक आवेदन लिखित रूप में होगा और उसमें निलम्बन या रद्द करण के लिए कल्पना किया जाने के पश्चात् इसके विवरण देने और वह ऐसे आवेदन को पारित किए जाने के पश्चात् इस के भीतर अनुज्ञापितधारी को संमूचित किया जाएगा।

(3) यहाँ कोई अनुज्ञापित इस आवेदन के अधीन निलम्बित या रद्द की जाती है, वहाँ अनुज्ञापित का धारक, चाय बोर्ड या केन्द्रीय सरकार से ऐसे निलम्बन या रद्द करण के लिए किसी प्रतिक्रिया या अनुज्ञापित फीस के प्रतिवाय का दावा करने के लिए हकदार नहीं होगा।

(11) अपील:—खण्ड 6 (1) या खण्ड 10 के अधीन अनुज्ञापन प्राधिकारों के किसी आदेश से व्यक्तियों कोई व्यक्ति, उसके द्वारा आवेदन की प्राप्ति की नारीब से दो मास की अवधि के भीतर, केन्द्रीय सरकार को अपील कर सकेगा और केन्द्रीय सरकार ऐसी जाच करने के पश्चात् ऐसी वह ठीक समझे और आवेदक की सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् प्रावेदन की पुष्टि कर सकेगा, उसे उपट सकेगा या उपलंगित कर सकेगी।

(12) लेवल्डांगों का रखा जाना, आविद:—(1) अनुज्ञापन प्राधिकारी किसी अनुज्ञापितधारी को निदेश जारी कर सकेगी कि वह—

(क) भांडागार द्वारा किसी विषट्टि अवधि के दौरान किए जा रहे कारबार के परिमाण और भांडागार में काम पर लगाए गए व्यक्तियों की संख्या और ऐसे व्यक्तियों के संबंध में अन्य विषयालियों के अभिलेख रखेगा;

(ख) अनुज्ञापन प्राधिकारी को दिवारणियों और विश्वरण ऐसे प्रलैप में और उसके द्वारबार से संबंधित ऐसी जानकारी सहित और ऐसे समय के भीतर जो निदेश में विनियिष्ट किया जाए, प्रस्तुत करेगा;

(ग) चाय बोर्ड के ऐसे प्रधिकारी को, जो अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा इन निमित्त प्राधिकृत किया जाए, अपने कारबार से

संबंधित ऐसी लेखा बहियों और अधिकारों, जो निदेश में संविदिष्ट किए जाएं, निरीक्षण के लिए प्रस्तुत करेगा।

(2) उपलब्धण्ड (1) में निर्दिष्ट प्रकृति का कोई निदेश भावारणनः या सो मधी अनुकूलितार्थियों को अवश्य किसी वर्ग या प्रवर्ग के अनुकूलितार्थियों को, ऐसी परिस्थितियों में अपेक्षित हो, जारी किया जा सकेगा।

(3) आवंशिकों और निवेशों की तामीलः—अनुशापन प्राधिकारी द्वारा या इस आवंशिक के प्रधन न किसी इन प्राधिकारी द्वारा किया जा सकेगा। या जारी किया गया कोई आदेश या निर्देश—

(क) भावार्थः अनुकूलितार्थियों को या किसी वर्ग या प्रवर्ग के अनुकूलितार्थियों को दिसी आवेदन या दिवेश की दृष्टि राजपत्र में अधिसूचित किया जाएगा, और

(ख) किसी विशेष अनुकूलितार्थियों को किसी आदेश या निदेश की वस्तु में उसका ऐसे अनुकूलितार्थी पर—

(i) उस अनुकूलितार्थियों को उसका परिवान या निविदान करके तामील की जाएगी, या

(ii) जहाँ उसका इस प्रकार परिवान या निविदान न किया जा सकता हो, वहाँ उस परिसर के जिसमें वह अनुकूलितार्थियों रहता है या कारबाह करता है या लाभ के लिए व्यक्तिगत रूप से कार्य करता है, जाहूरी द्वारा पर या किसी अन्य सुवृष्टय भाग पर उसे चिपका करके तामील की जाएगी और उसकी एक लिखित रिपोर्ट तैयार की जाएगी तथा पढ़ोस में रहने वाले दो व्यक्तियों द्वारा उसकी साक्षी की जाएगी।

(14) प्रविस्ति, तालाशी और अभिग्रहण की शक्ति— (1) अनुशापन प्राधिकारी या उसके द्वारा लिखित रूप में इस निमित्त विशेषरूप से प्राधिकृत चाय बोर्ड का कोई प्राधिकारी आदेश के उपबंधों का अनुपालन सुनिश्चित करने के प्रयोजन के लिए किसी भी भांडागार में प्रवेश कर सकेगा और उसकी तालाशी ले सकेगा और किसी ऐसी चाय या चाय के गोसे उत्पाद का, जिसका भांडारकरण, सम्मिश्रण या पैक किया जाना इस आदेश के उल्लंघन में किया गया प्रतीत होता है, अभिग्रहण कर सकेगा।

(2) इस खण्ड के अधीन कारबाह करने वाली कोई प्राधिकारी ऐसी कारबाह करने के चौरीस घंटों के भीतर अनुशापन प्राधिकारी को रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

(3) तालाशियों और अभिग्रहणों से संबंधित, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) के उपबंध, जहाँ तक हो सके, इस आदेश के अधीन की गई प्रत्येक तालाशी या अभिग्रहण को सागू होगे।

प्रलेप 'क'

(देखिए खण्ड 4)

चाय भांडागार (अनुशापन) आदेश, 1980

के खण्ड 3 के अधीन रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन

मूल प्रति]

दूसरी प्रति

सेवा में

अनुशापन प्राधिकारी,

चाय बोर्ड,

14, बी० टी० एम० मार्गी (ब्रिजोर रोड),
कलकत्ता-1

महोदय,

मैं/हम *चाय के भांडारकरण/सम्मिश्रण/पैकेज बनाने संबंधी क्रियाकलापों के करने के लिए रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करता हूँ/करते हैं। मैं/हम *निम्नलिखित आवश्यक विशिष्टियों द्वारा हूँ/हैं :-

(1) आवेदक का नाम (स्पष्ट अक्षरों में)

(2) पूरा पता (जिस पर पत्र व्यवहार किया जाए)

(3) उस भांडागार का पूरा पता जहाँ आवेदक चाय को भांडार रखना/सम्मिश्रण करना/पैकेज बनाना [चाहता है]

(4) भांडागार का तल लेव

(5) कर्मकारों/श्रमिकों की संख्या और प्रवर्ग

(6) भांडागार स्वामी भांडागार अपने ही लेखे पर या संस्कृत संष्टुप्त पर या अनुशापन प्राधिकारी के लिए अन्य व्यक्तियों को आंदोलन से बचाना या अनुशापन प्राधिकारी को आंदोलन से बचाना या अनुशापन प्राधिकारी को आंदोलन से बचाना है

(7) भांडागार में किए जाने वाले कारबाह की प्रकृति (भांडारकरण/सम्मिश्रण/पैक करना; आदि)

(8) ऊपर (7) में अधिकथित कार्य उसके लेखे किए जाते हैं या अन्य व्यक्तियों को आंदोलन से बचाना है और यदि हाँ, तो मालिक (मालिकों) का (के) नाम और पता (पते)।

(9) संवन्ध फैस की रकम

2. मैं/हमने चाय भांडागार (अनुशापन) आदेश, 1980 पद और समझ लिया है और मैं/हम उक्त आदेश के उपबन्धों का पालन करने लिए सहमत हूँ/हैं।

सबविदेश

आवेदक (आवेदकों)
मैं हस्ताक्षर,

स्थान

तारीख

(* जो शब्द लागू न हों उसे काट दें)

प्रलेप 'ख'

(खण्ड 5 देखिए)

चाय बोर्ड

चाय के भांडारकरण/सम्मिश्रण/पैकेज बनाने संबंधी क्रियाकलापों के करने के लिए अनुकूलि-

(अनन्तरणीय)

चाय भांडागार (अनुशापन) आदेश, 1980 के खण्ड 5 के अधीन जारी की गई।

14. फ्रेंच रोड़,
(बी टॉप एम० मार्गी)
कलकत्ता-1

तारीख
अनुशासित सं.

श्री/स्वर्णी का चाय भाण्डागार (अनुशासित) आदेश, 1980 के निबन्धनों के अनुसार, अनुशासितधारी के रूप में चाय के भण्डारकरण/सम्मिश्रण/प्रेक्षण का कारबाह करने के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

यह अनुशासित 31 दिसम्बर, 19..... तक, जिम्में यह तारीख भी सम्मिलित है, जब तक कि चाय भाण्डागार (अनुशासित) आदेश, 1980 के अंडे 10 के अधीन उस तारीख से पूर्व इद्या या निम्नित कर दी जाए, विधिमात्र है।

अध्यक्ष, चाय बोर्ड
अनुशासित प्राधिकरण

(जो खापू न हो उसे काट दें)

[म. के०-11012(2)/80 ज्ञाण-(ए)]
डी० इल्यू० नेंग, संयुक्त मंत्रिय

MINISTRY OF COMMERCE
(Department of Commerce)

ORDER

New Delhi, the 23rd December, 1980

The Tea Warehouses (Licensing) Order, 1980

S.O. 983(E).—In exercise of the powers conferred by sub-sections (3) and (5) of section 30 of the Tea Act 1953 (29 of 1953), the Central Government hereby makes the following Order, namely :—

1. (Short title and commencement.)—(1) This order may be called the Tea Warehouses (Licensing) Order, 1980.

(2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—(1) In this Order, unless the context otherwise requires :—

- (a) "Act" means the Tea Act, 1953 (29 of 1953) ;
- (b) "Chairman" means the Chairman of the Tea Board and includes any person exercising, for the time being, the powers of the Chairman ;
- (c) "Form" means a form appended to this Order ;
- (d) "Licence" means a licensee granted under this Order ;
- (e) "Licensee" means a holder of a licence ;
- (f) "Licensing Authority" means the Chairman or Deputy Chairman or any other Officer of the Tea Board so authorised by the Central Government in this behalf ;
- (g) "Tea Board" means the Tea Board established under section 4 of the Act ;
- (h) "Warehouse" means a covered shed or godown having a floor area measuring not less than 5,000 square feet wherein storing, blending or packaging of tea is done ;
- (i) "warehouse owner" means a person who owns a warehouse or who carries on the activities of storing, blending or packaging of tea by taking lease of a warehouse.

(2) All the words and expressions used in this order and not defined but defined in the Tea Act, 1953 (29 of 1953), shall have the meaning respectively assigned to them in that Act.

3. Warehouse owners to obtain licence.—No warehouse owner shall carry on the activities of storing, blending or packaging of tea except under a licence and in accordance with the provisions of this Order ;

Provided that no licence shall be required by any Port Trust Authority established under the authority of any law for the time being in force.

4. Application for Licence.—Every person desiring to obtain a licence shall make an application, in duplicate, to the Licensing Authority in Form 'A'.

5. Grant or refusal of licence.—(1) The licensing Authority may, for reasons to be recorded in writing, refuse to grant a licence to any applicant and shall furnish him with a copy of the order so passed.

(2) Where an application for licence is not refused under sub-clause (1), the Licensing Authority shall grant the applicant a licence in Form 'B'.

6. Period of validity of licence.—(1) A licence issued under this Order, unless cancelled or suspended earlier, shall be valid until the 31st December of the year in which it is issued and may be renewed for one year at a time.

(2) Every application for renewal of a licence shall be accompanied by the licence which is sought to be renewed and shall be made not less than thirty days before the date of expiry of the licence which is sought to be renewed.

7. Fee for licence.—The fee payable for the grant or renewal of a licence shall be rupees fifty and rupees ten respectively.

8. Duplicate licence.—If the Licensing Authority is satisfied that licence issued under this Order is defaced, lost, destroyed or otherwise rendered useless, the Licensing Authority may, on application made in that behalf and on payment of a fee of rupees ten issue a duplicate licence.

9. Conditions of licence.—(1) Every licence shall be deemed to have been granted or renewed personally in favour of the licensee and shall not be transferable.

(2) Where a licensee sells or otherwise transfers his business to another person, the purchaser or transferee, as the case may be, shall obtain fresh licence in his favour in accordance with the provisions of this Order.

(3) If a licensee enters into a partnership in regard to the business covered by his licence, he shall report the fact to the licensing authority within thirty days of his entering into such partnership and shall get the licence suitably amended and thereupon the partner as well as the original holder of the licence shall be bound by the conditions of the licence as amended.

(4) If a partnership is dissolved, every person who was a partner immediately before such dissolution shall send a report of the dissolution to the licensing authority within thirty days thereof.

(5) Every licensee shall produce his licence for inspection on demand by an official of the Tea Board duly authorised by the Licensing Authority in this behalf.

(6) Where any licensee intends to close his business, he shall intimate his intention in this behalf to the Licensing Authority at least one month in advance of the proposed closure.

(7) The Licensing Authority may lay down norms for production, storage, blending, packaging of tea in consultation with the Tea Industry.

(8) The Licensing Authority before granting the license shall satisfy himself that the person in whose favour the license is to be granted :—

- (a) has the required facilities for ensuring proper blending, packaging or storage of tea ;
- (b) shall not carry on the business in a manner detrimental to the tea industry.

(9) Every licensee shall comply with the directions given by the Licensing Authority from time to time regarding the handling of tea by the persons engaged in the warehouses.

(10) Suspension or cancellation of licence.—(1) the Licensing Authority may, after giving the holder of a licence an opportunity of being heard, cancel or suspend the licence on the ground that any of the provisions of this Order or any conditions of the Licence have been contravened.

(2) Every order suspending or cancelling a licence shall be in writing and shall specify the reasons for the suspension or cancellation and shall be communicated to the licensee within fifteen days of the passing of such order.

(3) Where a licence is suspended or cancelled under this Order, the holder of a licence shall not be entitled to claim from the Tea Board or the Central Government any compensation or refund of licence fee for such suspension or cancellation.

(11) Appeal.—Any person aggrieved by an Order of the Licensing Authority under clause 5(1) or clause 10 may, within a period of two months from the date of receipt by him of the order, prefer an appeal to the Central Government and the Central Government may, after making such inquiry as it thinks fit and after giving the applicant an opportunity of being heard, confirm, reverse or modify the order,

(12) Maintenance of accounts etc.—(1) The Licensing Authority may issue directions to any licensee :—

- (a) to maintain such records of the volume of business carried on by the warehouse during a particular period and the number of persons engaged in the warehouse and other particulars with regard to such persons,
- (b) to submit to the Licensing Authority the returns or statements in such form and containing such information relating to his business and within such time as may be specified in the direction,
- (c) to produce for inspection to such officer of the Tea Board as may be authorised in this behalf by the Licensing Authority such books of accounts and records relating to his business as may be specified in the direction.

(2) Any direction of the nature referred to in sub-clause (1) may be issued either generally to all licensees or to any class or category of licensees as the circumstances may require.

(13) Service of orders and directions.—Any order or direction made or issued by the Licensing Authority or by any authority under this Order shall :—

- (a) in the case of an order or direction to the licensees in general or to a class or category of licensees be notified in the Official Gazette, and
- (b) in the case of an order or direction to a particular licensee, be served on such licensee :—
 - (i) by delivering or tendering it to that licensee, or
 - (ii) where it cannot be so delivered or tendered, by affixing it on the outer door or some other conspicuous part of the premises in which that licensee lives, or carries on business, or personally works for gain and a written report thereof shall be prepared and witnessed by two persons living in the neighbourhood.

(14) Power of entry, search and seizure.—(1) The Licensing Authority or any officer of the Tea Board specially authorised by it in writing in this behalf may enter and search any warehouse for the purpose of ensuing compliance with the provisions of the Order and may seize any tea or product of tea which appears to be stored, blended or packaged in contravention of the provisions of this Order.

(2) Any officer taking action under this clause shall submit a report to the Licensing Authority within twenty four hours of taking such action.

(3) The provisions of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), relating to searches and seizures, shall, so far as may be, apply to every search or seizure made under this order.

FORM 'A'

(See Clause 4)

Application for registration under Clause 3 of the Tea Warehouse (Licensing) Order, 1980

ORIGINAL*

DUPLICATE

To

The Licensing Authority,
Tea Board,
14, B.T.M. Sarani (Brabourne Road),
Calcutta-1.

Sir,

I/We* apply for registration for carrying on the activities of storing/blending/packaging of tea.

I/We* furnish the necessary particulars below :—

(1) Name of the Applicant (in block letters) : _____

(2) Full address (to which correspondence should be sent) _____

(3) Full address of the warehouse where the applicant intends to do storing/blending/packaging of tea : _____

(4) Floor area of the warehouse _____

(5) Number and category of workers/labour _____

(6) Whether the warehouse owner holds the warehouse on his own account or on lease or on permission from the owner. _____

(7) Nature of business (storing/blending/packaging etc.) to be carried out in the warehouse _____

(8) Whether the operations stated at (7) above are carried out on his own account or on behalf of other person, and if so, furnish the names and address of the Principal(s). _____

(9) Amount of fees paid _____

2. I/We have carefully read and understood the Tea Warehouse (Licensing) Order, 1980, and hereby agree to abide by the provisions of the said Order.

Yours faithfully,

Signature of the applicant(s)

Place : _____

Date : _____

(* score out the word not applicable)

FORM 'B'

(See Clause 5)

TEA BOARD

Licence for carrying on the activities of Storing/Blending/
Packaging of Tea
(Not Transferable)

Issued under Clause 5 of the Tea Warehouse (Licensing)
Order, 1980.

Shr/Sarvashri is/are hereby authorised to carry on the
business of storing/blending/packaging of tea as a Licensee
in terms of the Tea Warehouse (Licensing) Order, 1980.

This licence is valid upto and including 31st December,
19... unless cancelled or suspended before that date under
Clause 10 of the Tea Warehouse (Licensing) order, 1980.

14, Brabourne Road,
(B.T.M. Sarani),
Calcutta-1.

Dated—

Licence No.—

Chairman, Tea Board

Licensing Authority

(score out the word not applicable)

[No K-11612(2)/80-Plant(A)]

D. W. TELANG, Joint Secy.